



मुजफ्फरपुर के थाने में युवक की मौत पर बवाल जारी

मानवाधिकार आयोग पहुंचा मामला

मुजफ्फरपुर, बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना स्थित थाना हाजत में एक युवक की हुई मौत का मामला मानवाधिकार आयोग पहुंच गया है. इस मामले में मानवाधिकार अधिवक्ता एसके झा ने राष्ट्रीय व राज्य मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई है. अधिवक्ता ने रिटायर्ड न्यायाधीश से मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है. फिलहाल इस मामले में कार्रवाई करते हुए मुजफ्फरपुर एसएसपी ने कांटी थानेदार समेत तीन पुलिस कर्मियों को सस्पेंड तो कर दिया है. लेकिन, थाने की हाजत में युवक की मौत मामले ने मुजफ्फरपुर पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं. वहीं केस मानवाधिकार आयोग के पास पहुंचने के बाद यह पूरा मामला मुजफ्फरपुर पुलिस के लिए गले की फांस बन गया है.



इस मामले को लेकर मानवाधिकार अधिवक्ता एसके.झा ने कहा कि यह मामला मानवीयता को शर्मसार करने वाला है. यह मानवाधिकार उल्लंघन के अति गंभीर कोटि का मामला है. मैंने इस मामले में रिटायर्ड न्यायाधीश से उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है. इस मामले में पुलिस का पूरी तरह से अमानवीय रूख देखने को मिला है.

थान परिसर में हुआ खूब बवाल बता दें, मुजफ्फरपुर के कांटी थाना

के हाजत में मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी आनंद कुमार उर्फ शिवम की संदेहास्पद मौत को लेकर थाना पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है. परिजन पुलिस पर युवक की हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगा रहे हैं. घटना के बाद गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित लोग थाना परिसर में पहुंच गए और हंगामा किया. लोगों के आक्रोश के बाद तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मौके पर कई थानों की फोर्स

बुलानी पड़ी थी. वहीं तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए एसएसपी सुशील कुमार भी मौके पर पहुंचे गए थे.

परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित घटना को लेकर एसएसपी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लापरवाही के आरोप में थानेदार सुधाकर पांडे, ओडी पदाधिकारी और एक संत्री को सस्पेंड कर दिया था. बता दें, मृतक की पहचान कलबारी गांव के रहने वाले आनंद उर्फ शिवम के रूप में हुई है, जिसे पुलिस दो दिन पहले दो अन्य के साथ मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर थाना लाई थी. वहीं थाने के हाजत में शिवम की मौत हो गई, उसके गले में मफलर का फंदा लगा है. इस घटना के बाद परिजन और मृतक के ग्रामीण आक्रोशित हैं. घटना से नाराज परिजनों और पुलिस में झड़प भी हुई है. वहीं पुलिस ने भी थाना पर तनाव की स्थिति बनी हुई है.

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल का निधन

राम मंदिर की रखी थी पहली ईंट



पटना. राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी और बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य कामेश्वर चौपाल का दिल्ली में निधन हो गया है. कामेश्वर चौपाल ने दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली है. बताया जा रहा है कि कामेश्वर चौपाल पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे. बता दें कि कामेश्वर चौपाल ने ही राम मंदिर निर्माण के लिए पहली ईंट रखी थी. संघ ने उन्हें प्रथम कार सेवक का दर्जा दिया था.

बता दें, कामेश्वर चौपाल ने अपनी पढ़ाई-लिखाई मधुबनी जिले से की थी. यहीं वे संघ के संपर्क में आए थे. उनके एक अध्यापक संघ के कार्यकर्ता हुआ करते थे. संघ से जुड़े उसी अध्यापक की मदद से कामेश्वर को कॉलेज में दाखिला मिला था. स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद ही वे संघ के प्रति पूरी तरह से समर्पित हो चुके थे. इसके बाद उन्हें मधुबनी जिले का जिला प्रचारक बना दिया गया था.

ऋस् ने दिया था पहले

कारसेवक का दर्जा भगवान श्रीराम का नाता बिहार से भी रहा है. साल 1989 में राम मंदिर की नींव के लिए पहली ईंट रखने के साथ ही चौपाल इतने मशहूर हो गए कि वे दो बार बिहार विधान परिषद के सदस्य भी बने. भाजपा के वरिष्ठ नेता कामेश्वर चौपाल दलित समुदाय से तात्कुक रखते हैं. 1989 के राम मंदिर आंदोलन के समय हुए शिलान्यास में कामेश्वर ने ही राम मंदिर की पहली ईंट रखी थी. आरएसएस ने उन्हें पहले कारसेवक का दर्जा दिया है. वह

1991 में रामविलास पासवान के खिलाफ चुनाव भी लड़ चुके हैं. **मां सीता की धरती से भी है चौपाल का रिश्ता** कामेश्वर चौपाल की पत्नी माता सीता बिहार के सीतामढ़ी की रहने वाली थीं. तब से लेकर सीतामढ़ी और अयोध्या के रिश्ते को प्रगाढ़ माना जाता है. जब अयोध्या में राममंदिर के बनाने के लिए संघर्ष चल रहा था, तब विश्व हिन्दू परिषद के आह्वान पर राममंदिर के निर्माण के लिए बिहार से कामेश्वर चौपाल भी ईंट लेकर अयोध्या पहुंचे थे.

अनंत सिंह की मुश्किलें बढ़ीं जमानत अर्जी हुई खारिज

मोकामा, मोकामा से पूर्व विधायक अनंत सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं।अदालत ने उनकी नियमित जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कल बुधवार को एमपी -एमएलए की विशेष न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज इस मामले का फैसला सुनाया गया। 22 जनवरी की शाम मोकामा के नौरंगा में फायरिंग हुई थी, जिसके बाद पुलिस ने अनंत सिंह पर आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास समेत दूसरी धाराओं में केस दर्ज किया था। बाद में 24 जनवरी को अनंत सिंह ने सरेंजर कर दिया था।

फायरिंग में बाल-बाल बचे थे अनंत सिंह गोलीबारी की यह घटना 22 जनवरी को मोकामा के नौरंगा इलाके में हुई थी। फायरिंग की इस घटना में अनंत सिंह बाल-बाल बच गए थे। घटना के सिलसिले में पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की थी। सोनू-मोनु गिरोह ने सिंह के काफिले पर कथित तौर पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। जबाब में अनंत सिंह के समर्थकों ने भी गोलीबारी की।



पुलिस के मुताबिक, सोनू-मोनु गिरोह ने मोकामा के पंचमहल थाना क्षेत्र के हमजा गांव के निवासी और गिरोह के पूर्व सहयोगी मुकेश सिंह को भी निशाना बनाया था। मुकेश सिंह ने अनंत सिंह से कथित तौर पर मदद मांगी थी।

बाहुबली नेता हैं अनंत सिंह छोटे सरकार' के नाम से मशहूर अनंत सिंह एक बाहुबली नेता हैं, जिन्होंने बिहार की मोकामा विधानसभा सीट का कई बार प्रतिनिधित्व किया है। उनकी पत्नी और मोकामा की मौजूदा विधायक नीलम देवी हाल ही में राष्ट्रीय

जनता दल (राजद) छोड़ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) में शामिल हो गई थीं। सिंह को 2018 में उनके पैतृक आवास से एके-47 राइफल, गोला-बारूद और दो हथगोले बरामद होने से जुड़े मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद जून 2020 में विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। हालांकि, अगस्त 2024 में पटना उच्च न्यायालय ने सिंह को मामले में बरी कर दिया था और जेल से उनकी तत्काल रिहाई का निर्देश दिया था।

बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड ने गुरुवार को प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज पार्टी पर 'वित्तीय अनियमितताओं' में शामिल होने का आरोप लगाया। जदयू के प्रवक्ता और विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने आरोप लगाया और दावा किया कि उनके पास ऐसे दस्तावेज हैं, जिनसे पता चलता है कि जन सुराज पार्टी को 'बेंगलुरु में पंजीकृत कार्यालय वाले धर्मार्थ फाउंडेशन' से धन प्राप्त हुआ था। 50 लाख रुपये का दिया था दान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जदयू द्वारा लगाए गए आरोपों पर टिप्पणी के लिए न तो किशोर और न ही उनकी पार्टी तुरंत उपलब्ध हो सकी है। जदयू प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि उनके पास जो रिकॉर्ड हैं उनके अनुसार किशोर ने खुद एक बार 'फाउंडेशन को 50 लाख रुपये का दान दिया था।' पार्टी के पास नहीं है कोई बैंक खाता जेडीयू नेता नीरज कुमार ने पूछा कि उनकी आय का स्रोत क्या है? जदयू नेता ने दावा किया, 'जन सुराज पार्टी के वित्तीय स्रोत के बारे में उनके नेताओं के बयान विरोधाभासों से भरे हुए हैं। किशोर डींगें हांकते हैं



कि पैसे कोई समस्या नहीं हैं, जबकि उनके सहयोगियों का दावा है कि पार्टी के पास कोई बैंक खाता भी नहीं है।'

कर चोरी के रैकेट में शामिल होने का भी संदेह उन्होंने कहा, 'जन सुराज पार्टी और जिस धर्मार्थ फाउंडेशन द्वारा इसे

वित्त पोषित किया जा रहा है। वह कर चोरी के रैकेट में शामिल प्रतीत होते हैं। प्रशांत किशोर को इस पर सफाई देनी चाहिए।

जीप की टक्कर से हवा में उड़ीं दो छात्राएं एक की वहीं मौत ; बेगूसराय में भीषण सड़क हादसा

बेगूसराय, बेगूसराय में भीषण सड़क़े में दो छात्राएं गंभीर से घायल हो गईं। इनमें एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे की हालत गंभीर है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के बदलपुर के पास की है। मृत छात्रा की पहचान मटिहानी थाना क्षेत्र के रामपुर के रहने वाले बबलू ठाकुर की पुत्री रिमा कुमारी के रूप में की गई है। घायल छात्रा की पहचान राजीव ठाकुर की पुत्री सुनीता कुमारी के रूप में की गई है। दोनों चचेरी बहनें बतायी जा रही हैं।

जीप की टक्कर से दूर फेंका गई दोनों बहनें परिजनों बताया है कि रिमा कुमारी और सुनीता कुमारी अपने-अपने साइकिल से घर से कोचिंग पढ़ने के लिए बेगूसराय जा रही थी। इस दौरान बदलपुर के पास तेज रफ्तार जीप गाड़ी ने दोनों साइकिल में भीषण टक्कर मार दिया। हादसा इतना जबरदस्त था कि जीप से टक्कर लगते ही दोनों बहनें हवा में उछल कर दूर फेंका गईं। आननफानन में घायल अवस्था में इलाज के लिए



दोनों को सदर अस्पताल लाया जहां इलाज क्रम में रिमा कुमारी की दर्दनाक मौत हो गई।

सड़क हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई इधर, मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना मटिहानी थाना पुलिस को दी मौके पर मटिहानी थाने के पुलिस पहुंचकर शव

को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि सड़क हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई है। वहीं दूसरी की हालत गंभीर है। जीप चालक की तलाश की जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

समस्तीपुर में दलित बस्ती में लगी भीषण आग

50 से ज्यादा घर जले, दो पशु भी मरे

समस्तीपुर, बिहार के समस्तीपुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। वारिसनगर थाना क्षेत्र के लखनपट्टी गांव के वार्ड- 8 में दलित बस्ती में भीषण आग लग गई। इस भीषण आग की जद में आने से 50 से अधिक घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में दो पशुओं की भी मौत हो गई है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि देवेंद्र पासवान के घर से आग की लपटें उठीं। देखते ही देखते आग ने रौंद रूप ले लिया, जिससे आस-पास के इलाके में भी अफरा-तफरी मच गई।

लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख आग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस थाना

से अग्निशमन वाहन घटनास्थल पर पहुंचा, लेकिन आग पर काबू पाना उनके लिए संभव नहीं हो सका। इसके बाद जिला प्रशासन ने बड़ी अग्निशमन वाहन को मौके पर भेजा, जिसने घंटों की मशक़त के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, इस दौरान 50 से अधिक घर पूरी तरह जलकर खाक हो गए। वहीं, घरों में रखी लाखों रुपये की संपत्ति भी जलकर राख हो गई।

कैसे लगी आग? स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन आग के कारण हुए इस नुकसान ने ग्रामीणों को गहरे सदमे में डाल दिया है।



आग में झुलसने से दो पशु भी मारे गए, जिससे गांव के लोगों को और भी अधिक नुकसान हुआ है।

खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर स्थानीय प्रशासन और अधिकारी अब प्रभावित

परिवारों के पुनर्वास के लिए जल्द से जल्द राहत कार्य शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। गांव में इस समय असहज स्थिति बनी हुई है और लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए हैं।